में अनेक कठिनाइयां पेश आ रही हैं ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस कठिनाई को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गये हैं ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) और (ख) नई प्रौद्योगिकियों की शुरूआत तथा कार्यकुशलता का उन्नयन करने के कारण टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या में वृद्धि होने पर भी टेलीफोन कर्मचारियों की संख्या में तदनुसार कोई वृद्धि नहीं हुई है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

गुजरात में डाक सलाहकार समिति

3958. श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात में डाक सलाहकार समिति गठित कर दी गई है ;

(ख) यदि हां, तो इस समिति के सदस्यों के नाम क्या हैं और वे किस-किस क्षेत्र से संबंधित हैं ; और

(ग) क्या यह सच है कि इस समिति में अनेक पुराने सदस्यों को भी रखा गया है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

फाइबर केबल को मध्य प्रदेश में जशपुर नगर तक बिछाया जाना

3959. श्री दिलीप सिंह जूदेव : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में पटना से गुमला जिला तक बिछाए जा रहे फाइबर केबल को 50 किलोमीटर और आगे बढ़ा कर मध्य प्रदेश में जशपुर नगर से जोड़े जाने के संबंध में क्या प्रावधान है;

(ख) क्या यह सच है कि इस स्कीम द्वारा जशपुर नगर को गुमला से जोड़े जाने के बाद रायगढ़ को जशपुर नगर से जोड़े जाने के समय दूरी एवं खर्च एक तिहाई से कम हो जाएगा; और

(ग) मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों को और मध्य प्रदेश को अन्य राज्यों के साथ फाइबर केबल से जोड़े जाने के संबंध में योजनाओं का ब्यौरा क्या है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) जशपुर नगर को संयोजकता प्रदान करने के लिए सर्वेक्षण का कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है । इस समय जशपुरनगर—गुमला लिंक के लिए फाइबर ऑप्टिक प्रणाली और यूएचएफ प्रणाली नाम से दो वैकल्पिक माध्यमों पर विचार किया जा रहा है। यह विकल्प तकनीकी - आर्थिक महत्ता तथा क्षेत्र-सर्वेक्षण पर आधारित व्यवहार्यता पर निर्भर करेगा ।

(ख) इस समय रायगढ़ और जशपुर नगर के बीच सीधा ऑप्टिक फाइबर लिंक प्रदान करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) मध्य प्रदेश राज्य के विभिन्न जिला मुख्यालयों को परस्पर जोड़ने के लिए फाइबर ऑप्टिक योजनाओं के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :—

(i) इन्दौर-देवास-सिहोर-भोपाल को जोड़ने की योजना पहले ही चालू कर दी गई है।

(ii) ग्वालियर तथा मुरैना के बीच मार्च, 93 में चालू हो जाने की संभावना है।